IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, March 2026
Impact Factor: 8.2

अमेरिकी डॉलर की प्रभुत्व (US Dollar Hegemony):अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार और स्थिरता पर आधारित एक स्तंभ

रोहित सिंह

अतिथि विद्वान- वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

संयुक्त राज्य अमेरिका अभी भी नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद (Nominal GDP) के आधार पर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो 2026 में लगभग 31.82 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुमान है। यह वैश्विक कुल GDP का लगभग 25.7% है। यह शोध पत्र अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार और स्थिरता का विश्लेषण करता है—जिसमें GDP मेट्रिक्स, विकास दर, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और ऋण गतिशीलता शामिल हैं—और मूल्यांकन करता है कि ये कारक अमेरिकी डॉलर को वैश्विक प्रमुख आरक्षित मुद्रा के रूप में कैसे बनाए रखते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और अमेरिकी कांग्रेस बजट कार्यालय (CBO) की नवीनतम अनुमानों के आधार पर, यह दर्शाया गया है कि अभूतपूर्व आर्थिक पैमाना, गहन वित्तीय बाजार और सापेक्ष मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय वित्त में "अत्यधिक विशेषाधिकार" प्रदान करते हैं। बढ़ते सार्वजनिक ऋण और बाहरी दबावों के बावजूद, ये विशेषताएं डॉलर प्रभुत्व को बनाए रखती

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, March 2026
Impact Factor: 8.2

हैं, और निकट भविष्य में कोई व्यवहार्य विकल्प उभर नहीं रहा है। निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि बहुध्रुवीय विश्व में अमेरिकी आर्थिक आधार मजबूत बने हुए हैं।